विचार बिन्दु

शरीर को रोगी और निर्बल रखने के समान दूसरा कोई पाप नहीं है।
–लोकमान्य तिलक

दवा कंपनियों व डॉक्टरों के बीच संबंध परिभाषित करती संहिता

डॉक्टरों की विदेश यात्राएं प्रायोजित करने वाली अमेरिकी दवा कंपनी एबवी हेल्थकेयर की भारतीय शाखापर 'यूनिफ़ॉर्म कोड फ़ॉर फार्मास्युटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसेस' के नियमों का उल्लंघन करने के आरोप है और वह जांच के घेरे में है। इस कंपनी को इसलिए और अधिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि सरकार इस कंपनी के उस कार्यकारी अधिकारी के ख़िलाफ़ कार्रवाई करने पर विचार कर रही है जिसने नियमों का पालन करने के लिए स्व-घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। पिछले साल जारी इन नियमों के अनुसार, मार्केटिंग प्रैक्टिसेस कोड की अनुपालना में कंपनी के कार्यकारी प्रमुख को हस्ताक्षर करके स्व-घोषणा पत्र देना होता है कि उसकी कंपनी ने इनकी पालना की है। नये नियमों में प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति के दो महीने के भीतर ऐसा स्व-घोषणा पत्र दिए जाने का प्रावधान है। अमरीकी कंपनी पर सरकार यदि ऐसा कदम उठाती है, तो यह यूनिफ़ॉर्म कोड फ़ॉर फार्मास्युटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसेस के तहत अपनी तरह की पहली कार्रवाई होगी। इस मामले ने भारत के फार्मा हलकों में हलचल पैदा कर दी है और सभी उत्सुकता से सरकार के अगले कदम का इंतजार कर रहे हैं। एबवी हेल्थकेयर इंडिया पर अपने लोकप्रिय एंटी-एजिंग उत्पादों 'बोटॉक्स' और 'जुवेडर्म' को बढ़ावा देने के लिए 30 डॉक्टरों की पेरिस और मोनाको की विदेश यात्राएं प्रायोजित करने का आरोप है। इसी के लिए नैतिक विपणन संहिता के उल्लंघन की जांच हो रही है। केंद्र सरकार के फार्मास्युटिकल्स विभाग ने कर अधिकारियों से भी इस कंपनी और चिकित्सकों की देयता का आकलन करने के लिए और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग से पेशेवर कदाचार के लिए डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए भी कहा है। उन डॉक्टरों में से 24 पेरिस और छह मोनाको गए थे। फार्मास्यूटिकल कंपनियों के उत्पादों के विपणन पर नियंत्रण के लिये साल 2014 में जारी संहिता के स्थान पर फार्मास्यूटिकल्स विभाग ने पिछले साल नई संहिता अधिसूचित की थी। वैसे भारत में कंपनियों द्वारा अंतिम उपभोक्ताओं के लिए दवाओं के विज्ञापन और विपणन को विनियमित करने के लिए कई कानून बने हुए हैं, जैसे 'औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम', 'औषधि और जादुई उपचार (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम', 'उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम' आदि। इनके अलावा विज्ञापन में स्व-नियमन के लिए भारतीय विज्ञापन मानक परिषद् की संहिता और भ्रामक विज्ञापनों की रोकथाम के लिए दिशानिर्देश, 2022की व्यवस्थाएं भी मौजूद हैं। इनके अलावा, भारतीय चिकित्सा परिषद (पेशेवर आचरण, शिष्टाचार और नैतिकता) विनियम, 2002, भी डॉक्टरों और स्वास्थ्य सेवा उद्योग के बीच के संबंधों को विनियमित करता है। ये विनियम कंपनियों द्वारा डॉक्टरों को मुफ्त उपहार दिए जाने पर प्रतिबंध लगाते हैं। इनके उल्लंघन के परिणाम स्वरूप डॉक्टरों के लाइसेंस भी रद्द किये जाने की व्यवस्था है। परंतु इसमें एक कमी थी। अपनी दवाओं और उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए डॉक्टरों को उपहार और मुफ्त चीजें देने के लिए कंपनियों को दंडित नहीं किया जा रहा था।

एक मेडिकल जर्नल में प्रकाशित निष्कर्षों के अनुसार, एक मुफ्त पिज्जा भी डॉक्टर के पर्चे को प्रभावित कर सकता है। भारत में कंपनियों द्वारा डॉक्टरों के साथ संबंध बनाने की प्रचलित प्रथा के संदर्भ में इन निष्कर्षों को देखें तो यह मुद्दा काफी चिंताजनक हो जाता है। दर्द निवारक गोली डोलो-650 के निर्माता पर दवा लिखने के बदले में डॉक्टरों को 10 हजार मिलियन रुपये के मुफ्त उपहार वितरित करने का आरोप लगा था। अपनी 2019-20 की रिपोर्ट में, संसद की लोक लेखा समिति ने उल्लेख किया था कि सात भारतीय राज्यों में कर निर्धारण अधिकारियों ने कंपनियों द्वारा डॉक्टरों को दिए गये उपहार और उन पर किये गये खर्चों को कर कटौती योग्य के रूप में अनुमति दी गई, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी खजाने को 551 मिलियन रुपयों का नुकसान हुआ। सीधे शब्दों में कहें तो कंपनियां डॉक्टरों से जो सबसे ज्यादा दवा लिखवाती है वह दवा बाज़ार में सबसे महंगी हो जाती है। 'बिक्री संवर्धन' की आड़ में, डॉक्टरों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभ दिए जाते हैं, जिसमें वास्तविक उपहार/मुफ्त, प्रायोजित विदेशी यात्राएं, आतिथ्य और मानद पद शामिल होते हैं। इन पर नियंत्रण तथा फार्मा उद्योग के भीतर विपणन प्रथाओं का मार्गदर्शन करने के उद्देश्य से सरकार ने 2014 में एक स्वैच्छिक कोड के रूप में यह आचार संहिता जारी की थी। मगर इसे सीमित रूप से अपनाया गया, और उसे बहुत कमजोर भी माना गया था। वर्ष 2017 में, आवश्यक वस्तुएं (दवाओं के विपणन में अनैतिक प्रथाओं का नियंत्रण) आदेश, 2017 प्रस्तावित किया गया था, लेकिन यह अधिनियमित नहीं हुआ। वर्ष 2021 में 2014 की आचार संहिता को वैधानिक आधार देने के लिए सरकार को निर्देश देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी। इसके अलावा, 2022 में, एक कर मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने माना कि कंपनियों द्वारा डॉक्टरों को दिए जाने वाले मुफ़्त उपहारों के खर्चे को आयकर अधिनियम, 1961 के तहत कटौती के रूप में दावा नहीं किया जा सकता है। इस मामले में, सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी टिप्पणी की थी कि इस तरह की मुफ्त आपूर्ति की लागत को आम तौर पर दवा में शामिल किया जाता है, जिससे इसकी कीमतें बढ़ जाती हैं। चिकित्सा उपकरणों को अलग से विनियमित करने के लिए 2022 में यूनिफ़ॉर्म कोड फ़ॉर मेडिकल डिवाइस मार्केटिंग प्रैक्टिसेस का मसौदा प्रकाशित किया गया। हालांकि वह फिर से स्वैच्छिक अनुपालन के रूप में ही था। इसके बाद, सरकार ने इस क्षेत्र में समग्र विनियमन लाने के लिए एक समिति बनाई जिसकी सिफारिशों के अनुसार, सरकार ने यूनिफ़ॉर्म कोड फ़ॉर फार्मास्युटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसेस 2024 जारी किया। यह नई आचार संहिता दवा कंपनियों की सख्त अनुपालन की व्यवस्था करने के साथ-साथ चिकित्सा उपकरणों पर भी लागू होती है। यह संहिता कहती है कि विपणन के लिए दवा के प्रचार को निर्दिष्ट शर्तों की पालना करनी चाहिए तथा किसी दवा के बारे में जानकारी भ्रामक नहीं होनी चाहिए। इसमें यह दोहराया गया है कि दवाओं के संबंध में 'सुरक्षित' शब्द का इस्तेमाल लापरवाही से नहीं किया जा सकता है, और यह कि 'नया' शब्द भारत में एक वर्ष से अधिक समय से उपलब्ध या प्रचारित दवाओं के लिए उपयोग में नहीं लिया जा सकता है। यह संहिता कंपनियों के बिक्री प्रतिनिधियों के लिए भी नैतिक मानकों को स्थापित करती है और कंपनियों को अपने कर्मचारियों द्वारा संहिता की अनुपालना के लिए जिम्मेदार ठहराती है। इसके अलावा, संबंधित गतिविधियों में कंपनियों द्वारा नियोजित तीसरे पक्ष को भी अनुपालन की पूरी समझ रखने की आवश्यकता की व्यवस्था देती है।

> **नई व्यवस्था में संहिता के नैतिक जिम्मेवारियों को निभाने के अलावा अब दवा कंपनियों को ऑडिट की तत्परता भी सुनिश्चित करनी होगी। हालांकि, कंपनियों के लिए इसके प्रावधानों का अनुपालन करने के लिए कोई समय सीमा निर्दिष्ट नहीं की गई है। बहुतों को लगता है कि दवा उद्योग का प्रपंच इतना जटिल है कि उसकी काट निकालना आसान नहीं है फिर भी सरकार के नये कदम का स्वागत ही होगा।**

नई संहिता दो श्रेणियों में ब्रांड रिमाइंडर की अनुमति देती है। पहली सूचनात्मक और शैक्षिक आइटम और दूसरी कंपनियों द्वारा चिकित्सा पेशेवरों को प्रदान किए गए मुफ्त नमूने। सूचनात्मक और शैक्षिक माध्यम से ब्रांड रिमाइंडर में किताबें, कैलेंडर, डायरी आदि जैसे आइटम शामिल हैं, जिनका उपयोग स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग्स में पेशेवर उद्देश्यों के लिए किया जाता है। मगर इसके लिए प्रति आइटम एक हजार रुपये सीमा तय की गई है। नई संहिता में भी पहले की तरह ही निःशुल्क नमूने केवल योग्य व्यक्तियों को प्रदान किए जा सकते हैं जो ऐसे उत्पादों को लिख सकते हैं। वितरित सभी निःशुल्क नमूनों का विवरण बनाए रखने की जिम्मेवारी भी कंपनियों पर रखी गई है। निःशुल्क नमूनों की अनुमतिदेते हुए ऐसे नमूनों के मौद्रिक मूल्य को कंपनी की प्रति वर्ष घरेलू बिक्री के दो प्रतिशत तक सीमित कर दिया गया है। प्रतिबंधित नमूनों की सूची से अवसाद रोधी दवाओं को हटाना भी इस संहिता में शामिल है। संहिता में सतत चिकित्सा शिक्षा का एक नया प्रावधान जोड़ा गया है जो सम्मेलनों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं आदि के लिए दवा उद्योग और स्वास्थ्य पेशेवरों के बीच जुड़ाव को नियंत्रित करता है तथा विदेशों में आयोजन पर प्रतिबंध लगाता है। शोध के लिए सहायता का भी एक नया प्रावधान जोड़ा गया है जो कंपनियों और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के बीच सहयोग के लिए दिशा-निर्देश देता है। संक्षेप में कहें तो किसी भी शोध को सक्षम अधिकारियों से मंजूरी लेनी होगी और उसे मान्यता प्राप्त स्थानों पर ही आयोजित किया जाना होगा। परामर्शदाता-सलाहकार के रूप में स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों की नियुक्ति वास्तविक शोध सेवाओं के लिए होनी चाहिए, जिसमें परामर्श शुल्क या मानदेय-आधारित भुगतान शामिल हो, जो सभी कर कानूनों के अनुपालन के अधीन हो। अनुसंधान पर कंपनियों के व्यय को स्वीकार्य माना गया है। स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के साथ दावा कंपनियों के संबंध में कई पुराने प्रावधानों को नवीनीकृत किया गया है, जिसमें कंपनियों या उनके एजेंटों को स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों या यहां तक कि उनके परिवार के सदस्यों को उपहार या लाभ देने से प्रतिबंधित किया गया है। इसमें किसी भी प्रकार का आर्थिक लाभ, यात्रा व्यवस्था, आतिथ्य या मौद्रिक अनुदान शामिल है, जब तक कि, नए पेश किए गए अपवाद के अनुसार, स्वास्थ्य सेवा पेशेवर सतत शिक्षा कार्यक्रम में वक्ता के रूप में भाग नहीं ले रहा हो। यूनिफ़ॉर्म कोड फ़ॉर फार्मास्युटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसेस 2024 दवा उद्योग को विनियमित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो वर्तमान में सार्वजनिक स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। नई व्यवस्था में संहिता के नैतिक जिम्मेवारियों को निभाने के अलावा अब दवा कंपनियों को ऑडिट की तत्परता भी सुनिश्चित करनी होगी। हालांकि, कंपनियों के लिए इसके प्रावधानों का अनुपालन करने के लिए कोई समय सीमा निर्दिष्ट नहीं की गई है। बहुतों को लगता है कि दवा उद्योग का प्रपंच इतना जटिल है कि उसकी काट निकालना आसान नहीं है फिर भी सरकार के नये कदम का स्वागत ही होगा।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

2024 में वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में उभरकर सामने आया भारत

भारत वर्ष 2024 में वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में उभर कर सामने आया है, जिसमें विभिन्न खेल स्पर्धाओं में ऐतिहासिक उपलब्धियों की एक श्रृंखला शामिल है। यह उल्लेखनीय सफलता पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किए गए निरंतर प्रयासों का परिणाम है, जिसमें खेलो इंडिया जैसी ऐतिहासिक पहल भी शामिल है। यह योजना जमीनी स्तर की प्रतिभाओं को निखारने के लिए शुरू गई है और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) भी है, जो शीर्ष एथलीटों को विश्व स्तरीय सहायता प्रदान करती है। हाल के वर्षों में भारत ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं जैसे कि भारत ने 2023 के एशियाई खेलों में रिकॉर्ड 107 पदक जीते, कई चैंपियनशिप और ओलंपिक में नीरज चौपड़ा का शानदार प्रदर्शन और फिट इंडिया मोमेंट तथा विभिन्न खेलो इंडिया गेम्स संस्करण भारतीय खेलों के इस स्वर्णिम युग की ओर निरंतर प्रगति को रेखांकित करते हैं। खेल अब महज मनोरंजन से कहीं आगे बढ़ कर एक सम्मानित कैरियर विकल्प बन गए हैं, जो लाखों युवा भारतीयों को अपने एथलेटिक सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी भारतीय खेलों के सबसे बड़े चीयरलीडर :- प्रधानमंत्री मोदी लगातार ओलंपिक और राष्ट्रीय खेलों सहित विभिन्न आयोजनों में एथलीटों से जुड़े रहे हैं। यहां तक कि उनके भाषणों में भी अक्सर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय एथलीटों की सफलताओं पर प्रकाश डाला जाता है, जिससे नागरिकों में गर्व की भावना पैदा होती है।

1. पेरिस ओलंपिक के बाद, उन्होंने पदक विजेताओं तथा पोडियम स्थान से चूकने वालों, दोनों की प्रशंसा की और इस बात पर बल दिया कि प्रत्येक खिलाड़ी की यात्रा भारत की खेल विरासत में योगदान देती है।

2. प्रधानमंत्री ने पेरिस पैरालिंपिक 2024 से पहले सार्वजनिक रूप से भारतीय दल की सफलता की कामना करते हुए कहा था कि उनका साहस और दृढ़ संकल्प पूरे देश को प्रेरित करता है। खेल कार्यक्रम के बाद, सभी खिलाड़ियों को प्रधानमंत्री आवास पर आमंत्रित किया गया, जहां प्रधानमंत्री ने उनका स्वागत किया और खेलों में उनके प्रयासों की सराहना की। पैरा-ओलंपियन योगेश कथुनिया ने प्रधानमंत्री को 'परम मित्र' कहा और प्रत्येक खिलाड़ी को उनसे मिलने वाले प्रोत्साहन पर प्रकाश डाला।

3. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चौपड़ा से मुलाकात के दौरान उनकी मां से जुड़कर दिल को छू लेने वाला भाव प्रकट किया। उन्होंने एक हल्के-फुल्के माहौल में यह साझा किया कि किस तरह से वे टोक्यो ओलंपिक में नीरज की जीत के बाद उनके प्रसिद्ध लड्डू का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। इस व्यक्तिगत गर्मजोशी ने न केवल मोदी की संवेदनाओं को दर्शाया, बल्कि एक एथलीट की यात्रा में परिवार के समर्थन के महत्व को भी उजागर किया।

4. प्रधानमंत्रीजी उस समय भावुक हो गए, जब उन्हें शतरंज खिलाड़ी वंतिका अग्रवाल से एक खास तोहफा मिला। वंतिका ने उन्हें 2012 में आयोजित स्वामी विवेकानंद महिला शतरंज महोत्सव की एक अनमोल तस्वीर भेंट की, जहां गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी उन्हें पुरस्कार दे रहे थे। ऐसे अनगिनत पल हैं जो खिलाड़ियों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के व्यक्तिगत जुड़ाव को उजागर करते हैं, उन्हें प्रेरित करते हैं, उन्हें मूल्यवान महसूस कराते हैं और देश के लिए जीतने के जज्बा भरकर प्रेरित करते हैं। वे प्रतियोगिता से पहले, उसके दौरान और बाद में भी लगातार खिलाड़ियों से बातचीत करते हैं, फिर चाहे वे जीतें या हारें, लेकिन मोदी पूरे समय उनका उत्साहवर्धन करते हैं। प्रधानमंत्री वास्तव में उनके लिए ताकत का स्तंभ हैं।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने 2036 में भारत में ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वप्न को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आधिकारिक तौर पर देश की रुचि व्यक्त की है। भारतीय ओलंपिक संघ ने नवंबर में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के भावी मेजबान आयोग को एक आशय पत्र प्रस्तुत किया, जो इस प्रतिष्ठित वैश्विक आयोजन के लिए भारत की औपचारिक बोली को चिह्नित करता है। खेलो इंडिया और टॉप्स जैसे खेल कार्यक्रमों के लिए मोदी सरकार का निरंतर समर्थन भारत की अंतरराष्ट्रीय पहचान में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। 'खेलो इंडिया' का उद्देश्य देश भर में खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए एक जन आंदोलन को बढ़ावा देना है। दरअसल, हांगझोऊ में आयोजित एशियाई खेलों में भाग लेने वाले भारतीय दल में कुल 124 एथलीट खेलो इंडिया के एथलीट थे और उन्होंने 106 पदकों में से 42 पदक जीतकर विशिष्ट योगदान दिया।

ओलंपिक 2024 में भारत :- यह साल भारत की खेल यात्रा के लिए एक परिवर्तनकारी वर्ष साबित हुआ है, जिसमें ओलंपिक और पैरालिंपिक दोनों की सफलताएं शामिल हैं। खेल उत्कृष्टता के लिए भारत सरकार की अटूट प्रतिबद्धता पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए 470 करोड़ रुपये से अधिक के ऐतिहासिक धन आवंटन के माध्यम से स्पष्ट हुई है। मोदी सरकार ने यह सुनिश्चित करने में अद्वितीय समर्थन प्रदर्शित किया है कि एथलीटों को बढ़ावा देने के लिए सबसे अच्छा वातावरण मिले, ओलंपिक खेल गांव में एथलीटों को 40 पोर्टेबल एयर कंडीशनर प्रदान किए। मनु भाकर ने ओलंपिक के एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रच दिया। स्वप्निल कुसाले ने निशानेबाजी में तीसरा पदक जीतकर ओलंपिक के एक ही संस्करण में किसी खेल में भारत का सबसे बड़ा पदक बना दिया। भाला फेंक में रजत पदक जीतने के बाद नीरज चौपड़ा सबसे सफल व्यक्तिगत ओलंपियन बन गए। कुश्ती में कांस्य पदक जीतकर अमन शेरावत भारत के सबसे युवा ओलंपिक पदक विजेता बन गए। अवनी लेखरा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 में स्वर्ण पदक जीता, जबकि नितेश कुमार ने बैडमिंटन में अपना दबदबा कायम रखते हुए पुरुष सिंगल्स एसएल3 में स्वर्ण पदक जीता। सुमित अंतिल और धरमबीर ने क्रमशः पुरुषों की भाला फेंक एफ64 तथा पुरुषों की क्लब थ्रो एफ51 में स्वर्ण पदक जीतकर पदक तालिका में अपना नाम जोड़ा। तीरंदाजी में हरविंदर सिंह ने पुरुषों की व्यक्तिगत रिकर्व ओपन में स्वर्ण पदक जीता, जबकि नवदीप सिंह ने पुरुषों की भाला फेंक एफ41 में जीत हासिल की। कई अन्य एथलीटों ने देश की प्रभावशाली पदक संख्या में योगदान दिया, जिससे यह भारतीय पैरा-स्पोर्ट्स के लिए वास्तव में सामूहिक उपलब्धि बन गई।

शतरंज में, डी गुकेश हाल ही में सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बने, जिन्होंने कम उम्र में यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करके भारत को बहुत गौरवान्वित किया। 2024 तक शतरंज की विरासत वैशाली रमेश बाबू जैसी विलक्षण प्रतिभा के साथ जारी रही, जिन्हें फिडे द्वारा ग्रैंडमास्टर की उपाधि से सम्मानित किया गया है। वैशाली कोनेरू हंपी और हरिका द्रोणावल्ली के बाद तीसरी भारतीय महिला ग्रैंडमास्टर हैं। भारत की शतरंज टीम ने हंगरी में 45वें शतरंज ओलंपियाड में ओपन और महिला दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। महिला टीम ने इस प्रतिष्ठित आयोजन में पहला स्वर्ण पदक हासिल किया।

क्रिकेट में, भारत के बेहतरीन क्रिकेटरों में से एक विराट कोहली को आईसीसी वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर 2023 से सम्मानित किया गया। भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने आईसीसी मेन्स टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2023 का पुरस्कार जीता। 23 वर्षीय घुड़सवार दिव्याकृति सिंह ने एक उल्लेखनीय अर्जुन पुरस्कार हासिल किया है। भारत की महिला डबल्स जोड़ी अयहिका मुखर्जी और सुतिर्था मुखर्जी ने कजाखस्तान के अस्ताना में एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में ऐतिहासिक कांस्य पदक हासिल करके इतिहास रच दिया। भारत के पहलवानों ने किर्गिजस्तान में एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में चार रजत और पांच कांस्य पदक जीते। भारत ने दुबई में आयोजित एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 में सात स्वर्ण, 11 रजत और 11 कांस्य पदक जीतकर तीसरा स्थान हासिल किया। भारत के गुलवीर सिंह ने जापान में हचियोजी लॉन्ग डिस्टेंस 2024 एथलेटिक्स मीट में पुरुषों की 10,000 मीटर स्पर्धा में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। भारत के मान सिंह ने हांगकांग, चीन में दो घंटे, 14 मिनट और 19 सेकंड (2:14:19) के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ एशियाई मैराथन चैंपियनशिप 2024 में स्वर्ण पदक जीता। मुक्केबाजी की दुनिया में, मंदीप जांगड़ा ने वाशिंगटन के टॉपेनिश शहर में अमरीका के गेरार्डो एस्क्विवेल को हराकर अमरीका स्थित नेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन का अंतरमहाद्वीपीय सुपर फेदरवेट खिताब जीता। भारत ने चीनी ताइपे और चीन को पछाड़कर मालदीव के खूबसूरत थुलुसधू द्वीप पर होने वाली एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप 2024 की टीम स्पर्धा मारुहाबा कप में रजत पदक हासिल किया। जूनियर विश्व वुशु चैंपियनशिप में, भारतीय टीम ने ब्रुनेई के बंदर सेरी बेगावान में दो स्वर्ण सहित सात पदक पक्के किये। इनके अलावा, भारत में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने वाली एक महत्वपूर्ण शुरुआत में कैप्री स्पोर्ट्स के स्वामित्व वाली महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) टीम यूपी वारियर्स को यूएन विमेन द्वारा जनरेशन इक्वालिटी एली के रूप में मान्यता दी गई है। भारतीय खेलों के लिए यह उल्लेखनीय वर्ष देश के एथलीटों के अथक समर्पण और प्रतिभा को प्रदर्शित करता है।

पी.आई.बी. द्वारा जारी।

मारवाड़ की कला, साहित्य, संस्कृति व विरासत के संरक्षक महाराजा गजसिंह

जोधपुर के महाराजा गजसिंह मारवाड़ की कला, साहित्य, संस्कृति एवं विरासत के संरक्षक के रूप में अपनी बेहतरीन भूमिका हमेशा निभा रहे है। गजसिंह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मारवाड़ के सांस्कृतिक दूत की भूमिका है। गजसिंह देश व विदेश में लोकप्रिय व्यक्तियों में गिने जाते हैं। देश में प्रजातंत्र के बाद में भी जोधपुर के राज परिवार व गजसिंह के प्रति मारवाड़ की प्रजा के सभी जाति, धर्म, समाज के लोगों में बहुत सम्मान है। मारवाड़ की जनता के साथ अपणायत भरे रिश्ते हैं। महाराजा गजसिंह हमेशा कहते हैं कि मेरी पहचान मारवाड़ की जनता से है। 'म्हारी ओलखाण आपसूं है' है।

गजसिंह का जन्म 13 जनवरी 1948 को हुआ। इनके जन्म के 4 वर्ष बाद पिता महाराजा हनवन्त सिंह का 26 जनवरी 1952 को विमान दुर्घटना में निधन हो गया। युवराज गजसिंह का 12 मई 1952 को महाराजा के रूप में राजतिलक हुआ। ऐसे समय में स्वर्गीय उम्मेद सिंह की धर्मपत्नी राजदादीसा बदन कंवर ने इस विकट समय में राजपरिवार के संरक्षक की बेहतर भूमिका निभाते हुए परिस्थितियों को सही तरह से संभाला एवं स्वर्गीय महाराजा हनवन्त सिंह की धर्मपत्नी राजमाता कृष्णा कुमारी ने गजसिंह का राजसी परम्परानुसार बेहतर लालन-पालन किया व संस्कारवान बनाया। महाराजा गजसिंह का विवाह 19 फरवरी 1973 को पुंछ राज परिवार में राजा शिवरतन सिंह देव की पुत्री राजकुमारी हेमलता राज्ये के साथ संपन्न हुआ। गजसिंह देश-विदेश में अपने मारवाड़ व जोधपुर की कला, संस्कृति, पर्यटन, विरासत की पहचान बनाने में सांस्कृतिक दूत की भूमिका निभा रहे हैं।

महाराजा गजसिंह

गजसिंह के मुख्य संरक्षण में कला व संस्कृति को बढ़ावा देने व इतिहास संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास किए जाते हैं। राजस्थान के लोक कलाकारों को नई पहचान देने के लिए मेहरानगढ़ फोर्ट में प्रतिवर्ष सूफी फेस्टिवल व जोधपुर रिफ जैसे बड़े आयोजन करवाए जाते हैं। 12 मई को जोधपुर स्थापना दिवस समारोह में मारवाड़ की विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं को मेहरानगढ़ दुर्ग में मारवाड़ रत्न सम्मान से सम्मानित किया जाता है। वीर दुर्गादास राठौड़ जयंती समारोह पर भी मारवाड़ की प्रतिभाओं का सम्मान किया जाता है। गजसिंह अनेक संस्थाओं, संगठनों, ट्रस्टों, चैरिटेबल ट्रस्टों के मुख्य संरक्षक व अध्यक्ष के पदों पर पदस्थापित हैं। बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए महाराजा गज सिह द्वारा विशेष जोर दिया जा रहा है। महाराजा गजसिंह की वर्षों से राजस्थानी भाषा की मान्यता के लिए लगातार हर स्तर पर प्रयास कर रहे है। केंद्र व राज्य सरकार स्तर पर निरन्तर प्रयासरत हैं। मारवाड़ में निरंतर पड़ते अकाल व सूखे व कम वर्षा की स्थिति को देखते हुए लोगों में जल संरक्षण व जल संचय के प्रति जागरूकता के लिए आपने जल भागीरथी फाउंडेशन की स्थापना करके मारवाड़ के अनेक स्थानों में जल संरक्षण के कार्य करवाए व लोगों को जल संचय के प्रति भी जागरूक करने का कार्य करवा रहे हैं।

मारवाड़ के लोगों की सुख समृद्धि व अकाल की स्थिति में वर्षा के लिए 5 सितंबर 1986 को जोधपुर से रामदेवरा तक पदयात्रा की व लोक देवता बाबा रामदेव जी के दर्शन कर प्रार्थना की। वर्ल्ड मोन्यूमेट फंड न्यूयॉर्क ने मानवता की कलात्मक व सांस्कृतिक पुरातात्विक संपदा के संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च कोटि का नेतृत्व प्रदान करने के लिए 27 अक्टूबर 2006 में हेंड्रियन अवार्ड, 2011 में इटोज हॉल ऑफ फेम अवार्ड, 25 नवंबर 2014 में नई दिल्ली में कला, पर्यटन संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोनडे नास्ट ट्रैवलर द्वारा लाइव टाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया। गजसिंह के संरक्षण में मेहरानगढ़ दुर्ग को यूनेस्को एशिया पेसिफिक अवार्ड, 2013 में नागौर दुर्ग को आगा खान अवार्ड फॉर आर्किटेक्चर के लिए नामित किया गया।

जोधपुर व पोलो का लंबा इतिहास रहा है। गजसिंह ने पोलो को नई पहचान व संरक्षण देते हुए 1998 में जोधपुर पोलो एंड इक्वेस्ट्रियन इंस्टिट्यूट की स्थापना करके महाराजा गजसिंह स्पोर्टस फाऊंडेशन पोलो मैदान में घास का मैदान तैयार करवाया व हर वर्ष दिसम्बर में पोलो सीजन का आयोजन करवाते हैं। अभी 30 दिसम्बर को एक माह चले 25 वें पोलो सीजन का समापन हुआ है।

–(राजेन्द्र सिंह लीलिया)
पी.आर.ओ, उम्मेद भवन
पैलेस हाउसहोल्ड, जोधपुर

आइये जाने दुनिया में प्रचलित कैलेंडर के बारे में

जैसे-जैसे साल के अंतिम क्षण करीब आते हैं, दुनिया नए साल के आगमन का उत्साहपूर्वक इंतजार करती है। जब घड़ी में आधी रात होती है और आसमान आतिशबाजी से जगमगाता है तो दुनिया भर के लोग 1 जनवरी को नए साल का स्वागत करते हैं। 31 दिसम्बर की रात को, जिसे न्यू ईयर ईव कहा जाता है। नए साल की शुरूआत पुराने को विदा करने और नए की आशा का स्वागत करने का प्रतीक है।

एक जनवरी को नए साल की शुरूआत के पीछे क्या इतिहास, महत्व और परम्पराएं जुड़ी हुई हैं। 1 जनवरी को पहली बार 45 ईसा पूर्व में नए साल की शुरूआत के रूप में मनाया गया। इससे पहले रोमन कैलेंडर मार्च में शुरू होता था और 355 दिनों का होता था। रोमन तानाशाह जूलियस सीजर ने सत्ता में आने के बाद इसे बदल कर नया कैलेंडर तैयार किया। ईसाई धर्म के आगमन के बाद, 25 दिसम्बर, जिसे यीशु मसीह का जन्म दिन माना जाता है, को नया साल मनाने का दिन माया गया।

नए साल की शुरूआत सिर्फ एक पन्ना पलटने का समय नहीं है, यह खुद के जीवन का मूल्यांकन करने और एक नई शुरूआत करने का अवसर है। दुनिया भर में यह समय लोगों को नई संभावनाओं को अपनाने और लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित करता है। 31 दिसम्बर की रात से शुरू होकर 1 जनवरी की सुबह तक, विभिन्न देशों में लोग गाने गाते हैं, आतिशबाजी देखते हैं और ऐसे खाद्य पदार्थ खाते हैं जिन्हें शुभ माना जाता है। साथ ही, यह समय संकल्प लेने का होता है, जहां लोग अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रण करते हैं।

भारत में हिंदू कैलेंडर के अनुसार नव वष्र अलग-अलग तिथियों पर मनाया जाता है, जो विभिन्न राज्यों और संस्कृतियों में अलग-अलग नामों से प्रसिद्ध है। चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा को विक्रम संवत और हिंदू नव वर्ष का आरंभ माना जाता है। हिंदू नव वर्ष प्राकृतिक चक्र और सौर मंडल की गतिविधियों के अनुसार निर्धारित होता है। यह फसल के मौसम, प्रकृति और सांस्कृतिक परंपराओं के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है। इस दिन पूजा, हवन और सामाजिक उत्सव आयोजित किए जाते हैं। हिंदू नव वर्ष जीवन में संतुलन, नई ऊर्जा और आध्यात्मिक शुद्धि का प्रतीक है। यह दिन नई शुरूआत के लिए प्रेरणा देता है और भगवान की कृपा से समृद्धि की कामना की जाती है।

निष्कर्षः चाहे वह ग्रेगोरियन कैलेंडर हो या हिंदू पंचांग, नव वर्ष जीवन में नई संभावनाओं, आशाओं और उत्सवों का समय है। यह अवसर हमें पुरानी यादों को सहेजने और नए सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करता है।

–श्वेता यादव, स्वतंत्र लेखक

राशिफल

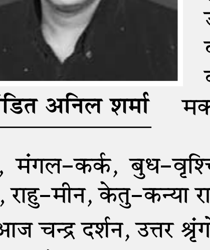

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 1 जनवरी, 2025

पौष मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र रात्रि 11:46 तक, व्याघात योग सायं 5:06 तक, बालव करण दिन 2:55 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-धनु, चन्द्रमा-मकर, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृंगोन्नति, नववर्ष दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:55 तक, शुभ 11:15 से 12:30 तक, चर 3:05 से 4:23 तक, लाभ 4:23 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:20, सूर्यास्त 5:40

मेष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि होगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कन्या
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

तुला
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

मकर
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मीन
आर्थिक वित्तिय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।